पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

बिना गॉडफादर इंडस्ट्री में टिकी हूं -पूजा चोपड़ा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 19 ■ सोमवार, 24 मार्च 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उल्हास नदी में 8 दिनों में 8 की डूबकर मौत

- पवई निवासी दो युवकों की नदी में डूबकर मौत
- फिर भी लोग नदी में पिकनिक मनाने आ रहे

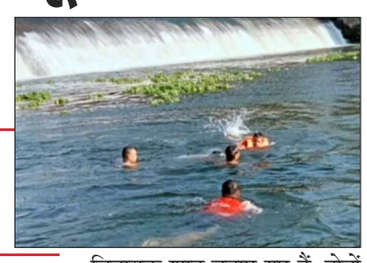

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. उल्हास नदी में और दो युवकों की डूबकर मौत हो गई है. 8 दिनों के भीतर उल्हास नदी में 8 लोगों की डूबकर मौत हो चुकी है. इतनी मौतें होने के बावजूद इस नदी पर पिकनिक मनाना के लिए आने वालों एवं नदी में नहाने वालों की संख्या में कमी नहीं हो रही है. दो दिनों पूर्व दो युवक अपने दोस्तों के साथ यहां के रिसॉर्ट पर पिकनिक मनाने आए थे. उल्हास नदी में नहाने के लिए उतरे और पानी की गहराई का अंदाज ना होने से पानी डूबकर उनकी मौत हो गई. अग्निशमक दल ने दोनों के शव को बाहर निकाला. दोनों युवक पवई हीरानंदानी विभाग के रहनेवाले थे. उनके नाम विवेक तिवारी और विनायक शाह बताए गए हैं. दोनों की आयु 18 और 17 वर्ष है. ये दोनों अपने मित्रों के साथ यहां पर पिकनिक मनाने आए थे.

विदित हो कि इससे पूर्व बदलापुर निवासी 4 युवक जो कि एसएससी की परीक्षा दे रहे थे, वह अपने दोस्तों के साथ उल्हास नदी पर होली के दिन नहाने आए थे. उनकी डूब कर मृत्यु हो गई थी. होली के दिन की ये घटना है. उसके बाद उल्हास नदी से निकली सहायक नदी आपटी में एक युवक डूबकर मरा था. एक 11 वर्षीय लड़का भी रिसॉर्ट के पास पिकनिक मनाते समय उल्हास नदी में नहाने उतरा, उसकी भी मौत हो गई थी. अब तक 8 दिनों में 8 लोगों की उल्हास नदी में डूबकर मौत हो चुकी है.

आयुक्त को टिकने नहीं देना चाहते भ्रष्ट अधिकारी

भ्रष्टाचार की खुल रही पोल

भ्रष्टाचार को मिटाने में अधिकारी व कर्मचारी आयुक्त को नहीं कर रहे सहयोग

- सबसे भ्रष्ट PWD विभाग पर आयुक्त का कड़ा कदम
- शहर अभियंता तरुण सेवकानी सस्पेंड
- बड़ी मछलियों का जल्द आएगा नंबर
- लंबी छुट्टी पर गए शहर अभियंता संदीप जाधव का कब होगा निलंबन?
- ठेकेदारों को छूट देने वालों पर कार्रवाई

उल्हासनगर। उल्हासनगर मनपा के सबसे भ्रष्ट PWD विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार का पोल खुल गई है। जिसमें पूर्व शहर अभियंता तरुण सेवकानी को पद से हटाए जाने के बाद अब उनको सस्पेंड किया गया है। भ्रष्टाचार की रोकथाम की ओर यह आयुक्त का सबसे बड़ा फैसला है। लेकिन लंबी छुट्टी पर गए अभियंता संदीप जाधव व उनकी टीम को भी सस्पेंड किया जाना चाहिए उन्होंने शहरवासियों के पैसों का गलत उपयोग कर फर्जी बिल और ठेकेदार को फायदा पहुंचाने तथा ठेकेदारों द्वारा जीएसटी चोरी कर सरकार के राजस्व विभाग को करोड़ों का चूना लगाने वाले सभी अधिकारियों, ठेकेदार व कर्मचारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। इस भ्रष्टाचार की पोल खोलने में आयुक्त सफल तो हो रही है लेकिन मनपा मुख्यालय के भ्रष्ट अधिकारी उन्हें सहयोग नहीं कर रहे हैं जिस कारण उन्हें कार्य करने में काफी परेशानी हो रही है। मुख्यालय के भ्रष्ट अधिकारी व कर्मचारी उन्हें टिकने नहीं देना चाहते।

■ विकास कार्यों में अनियमितताएं

उल्हासनगर कैंप 5 क्षेत्र में प्रभात उद्यान में चल रहे काम का निरीक्षण करने के लिए नियुक्त समिति ने प्रभारी शहर अभियंता तरुण सेवकानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसलिए, कर्मचारी को सेवा से निलंबित कर दिया गया है। पार्क के विकास में अनियमितताएं हुई हैं और मनपा को वित्तीय नुकसान हुआ है। जांच समिति ने सेवकानी पर अपने काम में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

उल्हासनगर महानगरपालिका के प्रभारी नगर अभियंता तरुण सेवकानी ने पिछले 03 वर्षों में पूर्ण किए गए कार्यों का भुगतान प्रस्तुत नहीं किया है। साथ ही, जो कार्य अभी तक शुरू नहीं हुए थे, उन्हें रद्द करना आवश्यक होने पर भी उन्हें रद्द नहीं किया गया। इस कारण मनपा प्रशासन ने उन्हें 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था। सेवकानी ने इस पर स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया था। हालाँकि, उनके बयान को खारिज कर दिया गया।

उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनीषा अव्हाले ने आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद शहर में विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने उल्हासनगर के कैंप पांच इलाके में स्थित प्रभात पार्क का भी निरीक्षण किया। कार्य में अनियमितताएं पाए जाने पर जांच के लिए एक समिति गठित की गई। इसमें प्रभारी नगर अभियंता तरुण सेवकानी के कामकाज पर प्रशासन ने सवाल उठाए। इस समिति की रिपोर्ट 28 फरवरी को प्राप्त हुई।

प्रशासन ने कहा है कि इस रिपोर्ट में बहुत गंभीर बातें सामने आई हैं। ये मामले बहुत गंभीर हैं. समिति को इस विकास कार्य में अनियमितताओं के प्रथम दृष्टया साक्ष्य भी मिले। महानगर पालिका द्वारा जारी निलंबन आदेश में कहा गया है कि इससे महानगर पालिका को वित्तीय नुकसान भी हो रहा है। महानगर पालिका का यह भी कहना है कि कर्मचारी अपने कार्यालयीन कार्य में लापरवाही बरतते देखे गए हैं और यह मामला बेहद गंभीर प्रकृति का है। इसलिए, उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने विभागीय जांच के अधीन कर्मचारी को मनपा की सेवा से निलंबित करने का आदेश जारी किया है।

सर पर किया हथौड़े से वार

- कैम्प-4 के संतोष नगर की घटना
- आरोपी पुलिस पकड़ से दूर
- विट्ठलवाडी पुलिस में मामला दर्ज
- घायल का इलाज सेंट्रल अस्पताल में

उल्हासनगर. उल्हासनगर कैंप 4 के संतोष नगर में रहने वाले 30 वर्षीय जयेश चाबुकस्वार अपने दोस्त के साथ दोपहर करीब 12.30 बजे राजू गैरेज के सामने खड़े थे, तभी आरोपी अनिकेत कोरे उर्फ नीलकंठ और उसका भाई सिद्धू कोरे उन्हें देखकर लोहे की रॉड और स्टंप लेकर आए और जयेश को पीटना शुरू कर दिया। जयेश के सिर पर हथौड़े से भी वार किया गया। उसके दोस्तों ने उसे तुरंत सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत स्थिर है और इस हमले में जयेश के सिर में गंभीर चोटें आई हैं और हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। इस संबंध में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और नागरिकों की नजर इस बात पर है कि पुलिस ऐसे आरोपियों के खिलाफ कब कार्रवाई करेगी।

क्रीड़ा संकुल के निर्माण में देरी बर्दाश्त नहीं

- मनपा आयुक्त ने ठेकेदार कंपनी को दी चेतावनी
- कार्य जल्द पूरा नहीं हुआ तो ब्लैक लिस्टेड हो जाएगी कंपनी

उल्हासनगर. हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे क्रीड़ा संकुल के काम में हो रही देरी पर अब मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने सीधा और आक्रामक रुख अपनाया है। ढाई साल बाद भी मात्र 50 प्रतिशत काम पूरा होते देख आयुक्त ने ठेकेदार झा.पी. कंस्ट्रक्शन कंपनी को हिदायत दी है कि समय की बर्बादी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि कार्य शीघ्र पूरा नहीं किया गया तो कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्हासनगर कैंप नंबर चार में वीटीसी मैदान पर बन रहे हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को 2023 में मंजूरी मिली है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की पहल पर यह महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की गई थी। 37 करोड़ रुपए स्वीकृत होने के बाद इसका शिलान्यास किया गया।

इस परिसर में बेसमेंट सहित दो मंजिला इमारत का निर्माण किया जा रहा है। इसमें वॉलीबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, बेसबॉल, कैरम आदि सहित विभिन्न खेलों की सुविधाएं होंगी। हालाँकि, इस परियोजना पर काम की गति बेहद धीमी थी, जिससे शहरवासियों में असंतोष भी पैदा हो रहा था। ढाई साल बाद भी मात्र 50 प्रतिशत काम पूरा होने का अहसास होने पर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले सीधे मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया।

मनपा आयुक्त का पदभार संभालते ही आव्हाले ने इस परियोजना में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। हालांकि, ठेकेदार झा. पी. कंस्ट्रक्शन कंपनी ने इसे नजरअंदाज कर दिया। इसलिए आयुक्त ने खेल परिसर का औचक दौरा किया और भौतिक निरीक्षण किया तो उन्हें चौंकाने वाली स्थिति मिली। जहां 50 मजदूरों को काम करना चाहिए, वहां मात्र 10-12 मजदूर ही काम करते मिले। कार्य की धीमी गति को देखते हुए आयुक्त ने ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने ठेकेदार कंपनी को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि खेल परिसर का कार्य निर्धारित समय में पूरा नहीं किया गया तो कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं, कंपनी को मनपा से पहले मिले सभी कार्यों का ऑडिट कराने का भी निर्णय लिया गया।

> बालासाहेब ठाकरे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स उल्हासनगर के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। हालाँकि, यह बहुत गंभीर बात है कि ठेकेदार की देरी के कारण यह काम समय पर पूरा नहीं हो रहा है। जटिल कार्य को तत्काल पूरा करने की आवश्यकता है। निर्धारित समय में कार्य पूरा न होने पर संबंधित ठेकेदार कंपनी को ब्लैक लिस्टेड करने की कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, जे.पी. कंपनी को पहले सौंपे गए सभी कार्यों का ऑडिट किया जाएगा और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।
>
> **- मनीषा अव्हाले,**
> आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका

उल्हास नदी के संरक्षण के लिए आंदोलन

कल्याण. कल्याण के एक पूर्व नगरसेवक ने उल्हास नदी के संरक्षण के लिए अपना सिर मुंडवाकर आंदोलन शुरू किया है। नितिन निकम ने बताया कि प्रतिदिन कार्यालय समय के दौरान उल्हास नदी के प्रदूषित पानी और जलाशयों में खड़े होकर अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पिछले आठ वर्षों से 'मी कल्याणकर सामाजिक संगठन' के अध्यक्ष और पूर्व नगरसेवक नितिन निकम, यह सुनिश्चित करने के लिए कई विरोध प्रदर्शन कर चुके हैं कि उल्हास नदी प्रदूषण से मुक्त हो और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराए. हालांकि, निकम ने आरोप लगाया है कि प्रशासन ने हर बार लिखित और मौखिक वादे करके उनके साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि वे उल्हास नदी के संरक्षण के लिए अथक संघर्ष करते रहेंगे। उन्होंने प्रशासन के विरोध में अपना सिर मुंडवाकर भी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व नगरसेवक उमेश बोरगावार समेत कई अन्य सामाजिक संगठन भी शामिल हुए हैं।

ठाणे जिले में लगभग 80 से 90 लाख लोग अभी भी उल्हास नदी का दूषित पानी पी रहे हैं। इस दूषित जल के कारण नागरिक बड़े पैमाने पर बीमार पड़ रहे हैं। इसलिए उल्हास नदी में गिरने वाले सभी प्रदूषित सीवेज नालों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। उल्हास नदी को जलभराव से मुक्त किया जाना चाहिए। मोहने बांध से कुछ मीटर की दूरी पर एक नया बांध बनाया जाना चाहिए और मौजूदा मोहोने बांध के पास से सीवेज कीचड़ और अशुद्ध रासायनिक कीचड़ को हटाया जाना चाहिए। पूर्व नगरसेवक नितिन निकम ने बताया कि वह पिछले आठ वर्षों से इस मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं कि प्रदूषित उल्हास नदी से मराठवाड़ा को अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की किसी भी योजना को रद्द किया जाए।

बदलापुर में कार दुर्घटना

- डिवाइडर पर चढ़ी कार
- कार को नुकसान, कोई जनहानि नहीं

बदलापुर. बदलापुर में गणेश घाट के पास हाईवे पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त हुई है। यह कार सड़क के बीच में लगे डिवाइडर पर चढ़ गई। कार का टायर फट गया, जिससे चालक कार पर से नियंत्रण खो बैठा और कार सीधे डिवाइडर से जा टकराई।

इस बीच, रात के समय यहां कुछ समय के लिएझद भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम की स्थिति रही। हालांकि, नागरिकों ने मदद की और चालक को सुरक्षित कार से बाहर निकाल लिया। कार को मामूली क्षति पहुंची, लेकिन सौभाग्य से चालक को कोई चोट नहीं आई और वह सुरक्षित है।

अंबरनाथ-बदलापुर में पानी बिल अभय योजना

- 1 अप्रैल से शुरू होगी अभय योजना

अंबरनाथ. अंबरनाथ और बदलापुर में जिसने अनेक वर्षों से पानी का बिल नहीं भरा है, उसके लिए ये एक अच्छी खुशखबरी है कि अभय योजना शुरू की गई है. इस योजना का लाभ लिया जा सकता है. योजना के अनुसार जिसने पानी का बिल कई वर्षों से नहीं भरा है, उसका ब्याज माफ किया जाएगा. 1 अप्रैल से अंबरनाथ और बदलापुर में महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा अभय योजना लागू की जाने वाली है. इस संदर्भ में मंत्रालय में हुई बैठक में विधायक किसन कथोरे ने दोनों शहरों में अभय योजना लागू किए जाने पर बताया कि नागरिकों को ब्याज कम होने से उनका आर्थिक बोजा कम होगा और नागरिक पानी का बिल भी अदा कर सकेंगे. जिसके कारण महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण को बड़ी रकम प्राप्त होगी. इस पर अंबरनाथ के लोगों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ज्यादातर लोग मजीप्रा का बिल नियमित भरते हैं. लेकिन उन्हें दो-दो दिन तक पानी नहीं मिलता है, जिसके कारण उन्हें पानी के लिए दर-दर भटना पड़ता है. पानी नहीं मिलने के कारण से लोग पानी का बिल नहीं भरते हैं. अगर मजीप्रा लोगों को नियमित पानी दे तो लोग भी नियमित पानी का बिल मजीप्रा को बराबर अदा करेंगे. जलापूर्ति योजना में सुधार लाने की जरूरत है.

रिक्शा चालक पर चाकू से हमला

- आशेला गांव की घटना
- हमला सीसीटीवी कैमरे में कैद
- विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज
- रिक्शा चालकों ने दोनों हमलावर पुलिस के हवाले किए

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 के आशेले गांव में एक चौंकाने वाली घटना में, एक रिक्शा चालक पर मोटरसाइकिल सवारों ने चाकू से हमला कर दिया, क्योंकि उसने ट्रैफिक को रास्ता नहीं दिया था। पूरा हमला सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

रूपेश कडू, एक रिक्शा चालक हैं और उल्हासनगर के आशेले गांव में रहते हैं। शाम को जब वह आशेले गांव में रिक्शा स्टैंड से किराया ले रहा था, तो एक मोटरसाइकिल उसके सामने आ गई। इस मोटरसाइकिल पर तीन युवक बैठे थे। एक मोटरसाइकिल सवार और रिक्शा चालक के बीच रिक्शा को रास्ता न देने को लेकर बहस हो गई। यह बहस झगड़े में बदल गई। जब बहस बढ़ गई तो मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने चाकू निकाल लिया और रूपेश कडू पर हमला कर दिया। अंत में स्टैंड पर मौजूद रिक्शा चालकों ने दोनों हमलावरों को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। हमले की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इस मामले में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है

सिंधी साहित्य और संस्कृति का गौरव

पुस्तक प्रकाशन राजस्व में दोगुनी वृद्धि - संस्कृति मंत्री आशीष शेलार की घोषणा

उल्हासनगर. महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के पुरस्कार समारोह में सिंधी साहित्य एवं संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। संस्कृति मंत्री एड. आशीष शेलार ने अकादमी की निधि और पुस्तक प्रकाशन के लिए दी जाने वाली राशि को दोगुना करने की घोषणा की। यह निर्णय सिंधी साहित्य के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होगा।

महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष और उल्हासनगर के भाजपा नेता महेश सुखरामानी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में 2024-25 के पुरस्कार वितरित किए गए। यह भव्य समारोह गुरुवार (20) को बांद्रा स्थित रंग शारदा ऑडिटोरियम में हुआ। इस अवसर पर अखिल भारतीय लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, सिंधी साहित्य पुस्तक पुरस्कार, पत्रकारिता पुरस्कार, कविता पुरस्कार और साहित्य पुरस्कार सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान महेश सुखरामानी ने अकादमी के कोष में वृद्धि और पुस्तक प्रकाशन के लिए अधिक सब्सिडी की मांग शेलार से की. इस मांग पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए शेलार ने अकादमी को वित्त पोषण बढ़ाने तथा अधिक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया। इस विशेष समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। उपस्थित दर्शकों ने इन कार्यक्रमों की बड़े उत्साह से सराहना की।

स्वर्ण युग शुरू

सिंधी साहित्य अकादमी के लिए वित्त पोषण में वृद्धि से लेखकों और शोधकर्ताओं को नई उम्मीद मिलेगी। राज्य सरकार के इस निर्णय ने सिंधी भाषा और संस्कृति के संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण आधारशिला रखी है। इससे भावी पीढ़ियों को भी लाभ होगा।

सिंधी साहित्य और संस्कृति के गौरव का यह उत्सव अविस्मरणीय था। इस अवसर पर दादा लादाराम नागवानी, डॉ. राम जवाहरानी, विंकय राघवानी, मुरली अदनानी, गुरमुख जगवानी, गायिका काजल चंदीरामानी, अजीत मनिहाल, लाल पंजाबी, राजू जग्यासी, काजल रामचंदानी, नीतू करिया, माला हरवानी मौजूद थे।

2 शातिर गुंडों के खिलाफ MOCA के तहत कार्रवाई

- उल्हासनगर के हैं दोनों शातिर गुंडे
- बदमाशों ने शहरों में चेन छीनकर उत्पात मचा रखा था

उल्हासनगर. उल्हासनगर में शातिर गुंडों के खिलाफ MOCA के तहत कार्रवाई की गई है। आकाश उर्फ बाबू छोटेलाल पारचे और तिरबन उर्फ त्रिभुवन चौहान उन गुंडों के नाम हैं जिन पर मोका के तहत कार्रवाई की गई। इन बदमाशों ने उल्हासनगर के शहरों में चेन छीनकर उत्पात मचा रखा था। इसके अलावा ये कई अन्य अपराधों में भी शामिल थे। पुलिस ने जब दोनों के पिछले आपराधिक रिकॉर्ड की जांच की तो उनके खिलाफ नागरिक सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई करने का निर्णय लिया। उल्हासनगर जोन 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में आकाश और त्रिभुवन के खिलाफ मोका के तहत कार्रवाई की गई है। इस बीच, इन गुंडों के खिलाफ की गई कार्रवाई ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों में डर पैदा कर दिया है। उक्त कार्रवाई पुलिस उपनिरीक्षक बंकटस्वामी दराडे, रामदास मिसाल, दिलीप चव्हाण, संतोष सांगले, चंद्रकांत गायकवाड़, गणेश राठौड़ की टीम ने की।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

भारत खुश तो है, लेकिन अधूरा

जीवन की तमाम समस्याओं के बीच हर मनुष्य खुश रहना चाहता है। इसके लिए वह कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाता है। खुश रहने की यह होड़ दुनिया भर के देशों में है। लेकिन यह किस हद तक संभव हो पाता है? यह तथ्य है कि दुनिया के चंद देश ही अपने नागरिकों की खुशहाली की चिंता करते हैं। भारत जैसे बड़ी आबादी वाले देशों के सामने कई चुनौतियां हैं। बेरोजगारी, महंगाई और महंगे होते इलाज से जूझते लोगों में निराशा जरूर पैदा होती है, पर संघर्षों के बीच भी वे अपनी खुशियां तलाश ही लेते हैं।

हम अब भी नेपाल, पाकिस्तान, यूक्रेन से पीछे

'वैश्विक खुशहाली सूचकांक 2025' में भारत ने पिछले साल के मुकाबले अपनी स्थिति बेहतर की है, लेकिन इससे बहुत ज्यादा खुश होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, हम अब भी नेपाल, पाकिस्तान, यूक्रेन और फिलीस्तीन से पीछे हैं। दूसरी ओर फिनलैंड है, जो लगातार आठ वर्षों से दुनिया का सबसे खुशहाल देश बना हुआ है। इस सूचकांक में पिछड़ने वाले देशों को डेनमार्क और स्वीडन से भी यह सीखने की जरूरत है कि वहां लोग कैसे और क्यों खुशहाल हैं। जीवन में बदलाव लाने की कई योजनाएं लागू होने और विश्व का सबसे युवा देश होने पर भी भारत खुशहाल क्यों नहीं, इस पर नीतियां बनाने वालों को सोचना होगा।

इसमें कोई दोराय नहीं कि रोजी-रोटी की जद्दोजहद और भागदौड़ की जिंदगी में तनाव बढ़ा है। आर्थिक चुनौतियां भी गहरी हुई हैं। जीवन में आ रहीं जटिलताएं कैसे कम हों, इस पर सोचना होगा। वैश्विक खुशहाली सूचकांक हमारी सरकार के लिए भी एक आईना है। यह गौर करने की जरूरत है कि दूसरे देशों से खुशहाली में हम क्यों पीछे हैं। क्या योजनाओं और नीतियों में कोई कमी रह गई, जिसकी वजह से खुशहाली जमीनी स्तर पर नहीं उतर रही?

सच है कि पश्चिमी पैमाने पर भारतीयों की खुशियों को नहीं मापा जा सकता। दुख-सुख के बीच यहां लोग थोड़े में गुजारा करते हुए अपनी खुशियां तलाश लेते हैं। मगर इसके लिए अवसर को आसान बनाने की जिम्मेदारी सरकारों की होती है। नागरिकों को सुरक्षित वातावरण और विकास के समान अवसर मिलेंगे, तो खुशियां उनके चेहरे पर निस्संदेह चमकेंगी।

शहरीकरण की अनदेखी, राजनीति का अड्डा बने नगर निकाय

बीते दिनों रायसीना संवाद में नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने देश को शहरीकृत करने के लिए टिकाऊ शहरों के निर्माण पर जोर देते हुए कहा कि शहर विकास, नवाचार और समृद्धि के केंद्र हैं। शहरों को समृद्धि का केंद्र बताने के लिए उन्होंने मुंबई का उदाहरण दिया, जिसका सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी 18 राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद से अधिक है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में गौतम बुद्ध नगर का जीडीपी कानपुर से 12 गुना अधिक है। इसका अर्थ यही है कि ये शहर समृद्धि के मामले में अग्रणी हैं।

भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए देश में कई मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, नोएडा, सूरत आदि होने चाहिए। ऐसा क्यों नहीं है, इस पर हमारे नीति नियंताओं को इसलिए सोचना चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में शहरों की आबादी तेजी से बढ़ेगी। शहरों को केवल इसलिए सही तरह विकसित नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उनकी आबादी बढ़ती जा रही है। उनका समुचित विकास इसलिए भी होना चाहिए, क्योंकि वे रोजगार पैदा करने में सहायक बनने के साथ अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने का काम करते हैं। आज सभी इससे परिचित हैं कि शहर विकास के इंजन हैं, लेकिन उन्हें संवारने, सुधारने का काम प्राथमिकता सूची से बाहर दिखता है।

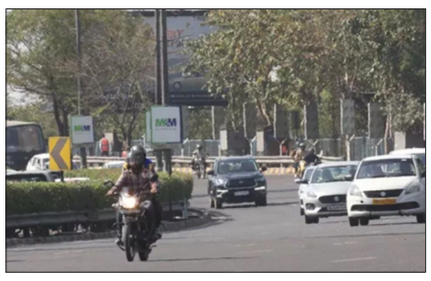

अमिताभ कांत की मानें तो शहरीकरण की मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए भारत को हर पांच साल में एक नया शिकागो बनाना होगा। उन्होंने जिस तरह मौजूदा शहरों को पुनर्जीवित करने की बात कही, उससे यदि कुछ स्पष्ट होता है तो यही कि अपने देश में शहरीकरण की चुनौतियों का सही तरह समाधान करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यह साफ तौर पर दिख भी रहा है। तमाम प्रयासों के बाद भी हमारे शहर अनियोजित विकास का पर्याय बने हुए हैं। उनमें नागरिक सुविधाओं का अभाव बढ़ता जा रहा है। वे अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम, जलभराव, प्रदूषण आदि से घिरते जा रहे हैं। उनमें फ्लाईओवर, अंडरपास, बाईपास, आदि बनते तो दिखते हैं, लेकिन कुछ ही समय में वे अपर्याप्त साबित होने लगते हैं। इसका कारण आबादी का बढ़ता दबाव तो है ही, नियोजित विकास का अभाव भी है।

शहरों के बुनियादी ढांचे के निर्माण में दूरगामी सोच के अभाव के चलते ही वे समस्याओं से घिरते जाते हैं। वैसे तो शहरों का बुनियादी ढांचा सुधरे, यह देखना राज्य सरकारों का काम है, लेकिन सबसे बड़ी जिम्मेदारी नगर निकायों की है। दुर्भाग्य से वे अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वाह करने में फिसड्डी हैं। इसका बड़ा कारण यह है कि नगर निकायों के जनप्रतिनिधि अपना काम सही तरह नहीं करते। वे शहरों के नियोजित विकास से अधिक इसकी परवाह करते हैं कि कैसे उनका वोट बैंक बने और बढ़े। इसके लिए वे ऐसे काम भी करते हैं, जिनसे शहरों की समस्याएं बढ़ती हैं। वे कभी अवैध झुग्गी बस्तियों को नियमित करने की वकालत करते हैं, कभी अतिक्रमण हटाने का विरोध करते दिखते हैं।

यह किसी से छिपा नहीं कि हमारे शहर प्रदूषण से ग्रस्त होते जा रहे हैं, लेकिन नगर निकायों के जन प्रतिनिधियों के पास प्रदूषण से निपटने का कोई एजेंडा ही नहीं दिखता। शहरों का प्रदूषण से घिरना यही बताता है कि शहरीकरण संबंधी योजनाओं के क्रियान्वयन में हर स्तर पर कोताही बरती जा रही है। कभी-कभी तो ऐसा लगता है कि नगर निकायों के जन प्रतिनिधियों को यह आभास न तो स्वंय होता है और न ही किसी की ओर से उन्हें कराया जाता है कि उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी शहरों के बुनियादी ढांचे को सुधारना, उनमें रहने वालों के जीवन को सुगम बनाना और इसकी चिंता करना है कि उनमें उद्योग-धंधे कैसे तेजी से फले-फूलें। स्पष्ट है कि जब ऐसा होगा, तभी शहर समृद्धि के केंद्र बनेंगे।

अभी स्थिति यह है कि वे सफाई, स्वास्थ्य, पेयजल, सीवेज, सार्वजनिक परिवहन आदि की व्यवस्था को उपयुक्त बनाए रखने के लिए आवश्यक धनराशि का भी प्रबंध नहीं कर पाते। इसकी वजह नगर निकायों की भ्रष्ट कार्यप्रणाली है।

कल्पना कीजिए कि हमारा विश्व कितना सुंदर हो जाएगा यदि प्रत्येक व्यक्ति सृष्टि के हरेक स्वरूप में प्रभु का प्रकाश देखने लगे!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

रेलवे में खानपान व्यवस्था का बुरा हाल

तमाम दावों और मंसूबों के बावजूद भारतीय रेल में विभिन्न सेवाओं से संबंधित शिकायतों का सिलसिला खत्म ही नहीं होता। रेलगाड़ियों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और शुद्धता को लेकर लंबे समय से शिकायतें मिलती रही हैं। उन्हें दूर करने के मकसद से भारतील रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम यानी आइआरसीटीसी का गठन किया गया। इसके लिए क्षेत्रीय स्तर पर रसोई बनाई गईं, वहां तैयार होने वाले खानपान के निरीक्षण का तंत्र विकसित किया गया। इससे बाहरी खानपान की गुणवत्ता और कीमतों में मनमानी पर कुछ हद तक रोक तो लगी, स्वच्छता और साफ-सफाई पर भी ध्यान दिया जाने लगा, मगर फिर वही शिकायतें मिलनी शुरू हो गईं। संसद की एक समिति ने इसे लेकर रेलवे की खिंचाई की है।

समिति का कहना है कि खानपान संबंधी नीतियों में बार-बार बदलाव की वजह से भी यह गड़बड़ी हो रही है। संसदीय समिति ने इस बात के लिए भी रेलवे पर नाराजगी जाहिर की कि उसके पहले के सुझावों पर अमल क्यों नहीं किया गया। समिति ने रेलवे से जवाब मांगा है कि जिन पंद्रह खानपान इकाइयों को अपडेट करने को कहा गया था, वह क्यों नहीं हुआ। आइआरसीटीसी को छह हरित रसोई भी बनानी थी, मगर उस दिशा में काम नहीं हो सका।

दरअसल, 2005 के बाद से अब तक तीन बार रेलवे खानपान संबंधी नीतियों में बदलाव किया जा चुका है। 2010 में यह काम क्षेत्रीय रेलवे को सौंप दिया गया था, फिर 2017 में इसे आइआरटीसी को दे दिया गया। इस तरह नीतिगत गड़बड़ियों के चलते भी रेल खानपान सेवा को लेकर एक प्रकार की अनिश्चितता बनी रही और गुणवत्ता से समझौता होता रहा। 2017 में नई खानपान नीति बनी और उसकी समीक्षा के लिए संसदीय समिति गठित की गई, तब उसने कुछ महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए थे। मगर समिति की ताजा रपट से जाहिर है कि पिछले सात वर्षों में इस दिशा में कोई उल्लेखनीय कदम नहीं उठाए जा सके हैं।

दरअसल, अभी तक रेलों में परोसा जाने वाला भोजन बाहर की रसोई में तैयार होकर पहुंचाया जाता है, फिर गाड़ियों में उसे गरम करने की व्यवस्था होती है। मगर देखा गया कि वैसे रेल डिब्बे बने ही नहीं हैं। जाहिर है, इस तरह तैयार होने और परोसे जाने के बीच समय अधिक गुजर जाने से अक्सर भोजन खराब हो जाता है।

संसदीय समिति ने इस बात पर भी हैरानी जताई है कि भोजन की गुणवत्ता के निरीक्षण के लिए तो तंत्र गठित है, पर औचक निरीक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। इससे रसोइयों में भोजन तैयार करने और रेल डिब्बों में परोसे जाने में अक्सर मनमानी की शिकायतें आती रहती हैं। सरकार रेल सेवाओं को विश्व मानकों के अनुरूप ढालने और द्रुतगामी रेलों की संख्या बढ़ाने के दावे तो बढ़-चढ़ कर करती है, रेल किराए में भी काफी बढ़ोतरी हो चुकी है, मगर जब खानपान की गुणवत्ता और स्वच्छता पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा पाता, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूसरी सुविधाओं पर कितना ध्यान दिया जाता होगा।

अक्सर रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं, गाड़ियों के समय पर न चलने, रेल डिब्बों में सुरक्षा का उचित प्रबंध न होने जैसी शिकायतें आम हैं। इस स्थिति में द्रुतगामी गाड़ियां चला देने या स्टेशनों की देखरेख निजी कंपनियों के हाथों में सौंप देने भर से रेलवे की साख कितनी और कहां तक बची रह पाएगी।

यहां 7 लाख से 36 लाख तक पहुंच गई ऑटो स्टैंड की बोली

जरा हट के

बिहार के आरा शहर में अजीबोगरीब मामला देखने को मिला. दरअसल नगर निगम में ऑटो स्टैंड का ऑक्शन चल रहा था. इस दौरान महज एक ऑटो स्टैंड की बोली 7 लाख से शुरू होकर 36 लाख तक पहुंच गई. हालांकि इस ऑटो स्टैंड लेने में संवेदकों को इतना दिलचस्पी क्यों है, यह बात स्पष्ट नहीं हो पाई. लेकिन, दो संवेदक एक दूसरे के ताव में 36 लाख तक बोली लगाते गए. आस-पास मौजूद अन्य संवेदक और नगर निगम के अधिकारियों के होश उड़े रहे. यह मामला पूरे आरा शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है.

बता दें कि पहले दिन सात सैरातों की बंदोबस्ती खुली डाक से की गई. नगर आयुक्त अंजू देवी की मौजूदगी में संवेदकों ने बढ़-चढ़कर बोली लगाई. पिछली बार की तुलना में ज्यादा रकम पर सौदा हुआ. बंदोबस्ती के दौरान मेयर इंदु देवी, डिप्टी मेयर पूनम देवी, नगर आयुक्त

उपनगर आयुक्त कोमल त्रिपाठी समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे. पूरे दिन निगम परिसर में गहमागहमी बनी रही. संवेदकों ने 25 प्रतिशत सुरक्षित जमा राशि पहले ही जमा कर दी थी. बिहारी मिल ऑटो स्टैंड की सुरक्षित जमा राशि 7,96,434 रुपये थी. 1,99,109 रुपये की जमानत राशि जमा हुई. अंतिम बोली 36,25,000 रुपये की वसीम उल हक हसन ने लगाई. जिला स्कूल के सामने स्थित सुलभ शौचालय की सुरक्षित जमा राशि 1,20,000 रुपये थी. 30,000 रुपये की जमानत राशि जमा हुई. बिहार मिल ऑटो स्टैंड की बोली लगाने वाले संवेदक वसीम उल हक ने बताया कि टेंडर लेने के पीछे कोई खास कारण नहीं था, लेकिन शुरुआती समय से ही कई संवेदक जानबूझकर ऑटो स्टैंड को महंगा करने में लगे थे. 7 लाख की बोली को अन्य संवेदकों के द्वारा 25 लाख और 30 लाख तक लेकर जाया गया. इसमें खुद भी बोली लगा रहे थे, लेकिन नहीं चाहते थे कि इतना महंगा सैरात लें, लेकिन अंत समय में मे एक साथी के द्वारा बोली लगातार लगाया जा रहा था और उसे बीच मन में आया कि अब टेंडर को लेना ही है. 36 लाख 25000 तक जाकर टेंडर को अपने नाम कर लिया.

पपीते की खट्टी-मीठी चटनी

क्या आपको हर दिन वही दाल-चावल या पराठे खाकर बोरियत महसूस होती है? अगर हां, तो बस एक चीज आपके खाने का मजा दोगुना कर सकती है- पपीते की खट्टी-मीठी चटनी ! पपीता सिर्फ सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि खाने के स्वाद को भी लाजवाब बनाने के लिए बेहतरीन ऑप्शन है। यकीन मानिए, इससे बनी खट्टी-मीठी चटनी हर खाने के साथ इतनी जबरदस्त लगती है कि आप उंगलियां चाटते रह जाएंगे। तो आइए जानते हैं इसे बनाने का आसान तरीका, जिससे सिंपल खाना भी स्वाद से भर जाता है।

सामग्री :

- कच्चा पपीता – 1 कप (कद्दूकस किया हुआ)
- गुड़ – 2 बड़े चम्मच (स्वीटनेस के लिए)
- इमली का पेस्ट – 1 बड़ा चम्मच (खट्टेपन के लिए)
- लाल मिर्च पाउडर – ½ छोटा चम्मच
- भुना हुआ जीरा पाउडर – 1 छोटा चम्मच (खुशबू और स्वाद के लिए)
- नमक – स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडर – ½ छोटा चम्मच
- पानी – ½ कप

- सरसों के दाने – ½ छोटा चम्मच
- तेल – 1 छोटा चम्मच

विधि :

पपीते की चटनी बनाने के लिए सबसे पहले कद्दूकस किए हुए पपीते को हल्का सा उबाल लें, ताकि वह थोड़ा नरम हो जाए।

इसके बाद इसे 5 मिनट तक धीमी आंच पर पकाकर छान लें। अब एक पैन में थोड़ा सा तेल गर्म करें और उसमें सरसों के दाने डालें। जैसे ही सरसों चटकने लगे, उसमें उबला हुआ पपीता डाल दें। अब इसमें गुड़ और इमली का पेस्ट मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें। इतना करने के बाद इसमें लाल मिर्च पाउडर, भुना हुआ जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर और नमक डालें। बस फिर इसे धीमी आंच पर 5-7 मिनट तक पकाएं, जब तक चटनी गाढ़ी और चटपटी न हो जाए। जब चटनी अच्छी तरह पक जाए, तो गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। तैयार है आपकी खट्टी-मीठी पपीते की चटनी।

दही और योगर्ट में क्या अंतर होता है?

सेहत के लिए कौन सी चीज ज्यादा फायदेमंद

दही और योगर्ट खाने में एक जैसे लगते हैं. अक्सर लोग दही और योगर्ट का अंतर नहीं समझ पाते हैं. कई लोग मानते हैं कि दोनों चीजें एक ही हैं, बस इनके नाम में अंतर है. हालांकि दही और योगर्ट दोनों डेयरी प्रोडक्ट हैं, लेकिन इनके बनने का तरीका बिल्कुल अलग होता है. इसकी वजह से इनके पोषक तत्वों में भी अंतर आ जाता है और स्वाद में भी थोड़ा बहुत डिफरेंस होता है. अगर आप भी दही और योगर्ट को लेकर कंफ्यूज हैं, तो आज आपको बताएंगे कि दोनों में क्या अंतर होता है. साथ ही यह भी बताएंगे कि हेल्थ के लिए क्या ज्यादा बेहतर है.

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने बताया कि दही और योगर्ट दोनों दूध से बनाए जाते हैं. दही और योगर्ट एक जैसे नजर आते हैं और इनका स्वाद भी मिलता-जुलता होता है. दही बनाने के लिए दूध को गर्म करके उसमें थोड़ा सा दही मिला दिया जाता है. इससे रातभर में नेचुरल तरीके से दही बनकर तैयार हो जाता है. योगर्ट नेचुरल तरीके से नहीं बनता है. इसे बनाने के लिए बैक्टीरिया स्ट्रेन जैसे- लैक्टोबैसिलस बुल्गेरिकस और स्ट्रेप्टोकोकस थर्मोफिलस का इस्तेमाल किया जाता है. योगर्ट में कभी-कभी फ्लेवर्स, शुगर या फ्रूट्स मिलाए जाते हैं, जबकि दही आमतौर पर सादा होता है.

डाइटिशियन के अनुसार दही और योगर्ट दोनों में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन B12 और प्रोबायोटिक्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं. योगर्ट में इस्तेमाल होने वाले विशिष्ट बैक्टीरिया के कारण इसमें प्रोबायोटिक्स की मात्रा ज्यादा कंट्रोल्ड होती है. हालांकि योगर्ट में कभी-कभी शुगर या आर्टिफिशियल फ्लेवर्स मिलाए जाते हैं, जो इसके पोषक तत्वों को कम कर सकते हैं. घर का बना दही पूरी तरह शुद्ध और प्राकृतिक होता है. शुद्धता के मामले में दही ज्यादा बेहतर होता है. दही और योगर्ट दोनों सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. भारत में दही ज्यादा खाया जाता है, जबकि पश्चिमी देशों में योगर्ट ज्यादा पसंद किया जाता है.

एक्सपर्ट की मानें तो दही और योगर्ट दोनों ही पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद हैं. इनमें मौजूद प्रोबायोटिक्स आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे कब्ज, अपच और सूजन जैसी समस्याएं कम होती हैं. दही को भारत में पारंपरिक रूप से गर्मियों में ठंडक प्रदान करने और पेट को शांत करने के लिए खाया जाता है. योगर्ट भी इम्यूनिटी बढ़ाने और हड्डियों को मजबूत करने में मदद करता है, खासकर तब जब इसमें विटामिन D और कैल्शियम की मात्रा अधिक हो. योगर्ट में चीनी की मात्रा ज्यादा हो, तो डायबिटीज पेशेंट्स के लिए नुकसानदायक हो सकता है, जबकि सादा दही हर किसी के लिए सुरक्षित है.

अब सवाल है कि दोनों में क्या ज्यादा फायदेमंद है? इस पर डाइटिशियन का कहना है कि दही और योगर्ट दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. दही एक नेचुरल प्रोडक्ट होता है, जबकि योगर्ट को अलग तरीके से बनाया जाता है. अगर आप प्राकृतिक, बिना किसी एडिटिव्स वाला विकल्प चाहते हैं, तो घर का बना दही सबसे अच्छा है. अगर आप एक बाहर के प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो सादा योगर्ट बेहतर हो सकता है. दोनों ही अपने तरीके से लाभकारी हैं, बशर्ते इन्हें संतुलित मात्रा में इस्तेमाल किया जाए. अगर आपको किसी भी प्रोडक्ट से समस्या हो, तो डाइटिशियन या डॉक्टर से मिलकर कंसल्ट करें.

आज का राशिफल

मेष : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें।

मिथुन : सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। समय अनुकूल है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक कष्ट संभव है।

सिंह : कुसगंति से बचें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या : शरीर में कमर व घुटने आदि के दर्द से परेशानी हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

तुला : शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। भाग्य का साथ रहेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

वृश्चिक : किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कष्ट व भय सताएंगे।

धनु : राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। भागदौड़ अधिक रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस होगी। आय में निश्चितता रहेगी।

मकर : प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं। व्यापार ठीक चलेगा।

कुंभ : चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मीन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है। किसी न्यायपूर्ण बात का भी विरोध हो सकता है। विवाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी। चोट व रोग से बचें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मच्छर भगाने के घरेलू तरीके

एक मौसम से दूसरे मौसम में जाते ही सबसे अधिक मच्छरों का आतंक बढ़ जाता है. सर्दियों से गर्मी आती है तो मच्छर पनपने लगते हैं. आप कई तरह के मच्छर भगाने वाले मॉस्किटो रेपेलेंट अपने हर कमरे में जलाते होंगे, लेकिन इनमें से काफी तो ऐसे होते हैं जिनका असर मच्छरों पर बिल्कुल भी नहीं होता है. ऐसे में आपको कुछ ऐसे नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करना चाहिए, जो सही में मच्छरों के लिए आफत साबित हों. आपको हम मच्छर भगाने के लिए कुछ प्राकृतिक उपाय बता रहे हैं. इसे आजमाकर जरूर देखिए.

- आप अपने घर में हर दिन पोछा तो लगाते ही होंगे, बस पोछा लगाते समय पानी में नींबू का रस और फिटकरी का पाउडर बनाकर डाल दें. इस पानी से आप हर दिन पोछा लगाएं, मच्छर क्या, कीड़े-मकोड़े, चीटियां, मक्खी भी नहीं आएगी एक भी घर में. आप चाहें तो फिटकरी, नींबू का रस मिक्स पानी को स्प्रे बॉटल में डालकर घर के कोने में भी छिड़क सकते हैं. खिड़की, दरवाजों, बालकनी में भी इसे छिड़क दें.
- फिटकरी और नींबू में एंटीबैक्टीरियल, एसिडिक और कीटाणुनाशक गुण होते हैं जो इन जीव-जंतुओं से छुटकारा दिला सकते हैं. इस पानी से आप अपने किचन, बालकनी, टॉयलेट की भी सफाई कर सकते हैं. चीटियां, कॉकरोच आदि नाले से नहीं आएंगे.
- इसके अलावा आप संतरे के छिलके को सुखाकर इसे जलाएं. इसके धुएं से भी मच्छर भाग जाएंगे. अदरक और लहसुन का पेस्ट बनाकर इसे पानी में मिक्स करें. इस पानी को स्प्रे बॉटल में डालकर बालकनी, खिड़की-दरवाजे, कोनों में स्प्रे करें. इससे भी मच्छर, मक्खियां आदि घर में आएंगे लेकिन महक से टिकेंगे नहीं.

प्रेशर कुकर में बनी दाल का स्वाद नहीं भाता, ये है दाल बनाने का पुराना तरीका

टेस्ट में उम्दा, प्रोटीन भी रहेगा बरकरार

आमतौर पर आप दाल कुकर में पकाते होंगे, क्योंकि इसमें फटाफट दाल 5-10 मिनट के अंदर बन जाती है. कई बार दाल बनाने के लिए कुकर ठीक होता नहीं. कुकर के ढक्कन का रबर या तो सही से फिट नहीं होता, जिसके कारण सीटी नहीं लगती. सारा दाल का पानी बाहर फेकने लगता है. ऐसे में कुकर में दाल सही और जल्दी से नहीं पकती. आपके साथ भी ऐसा हो रहा है और आपको खाने के लिए दाल बनानी है तो आप दाल बनाने की पुरानी टेक्नीक को ट्राई करें. जिस तरह दादी-नानी या गांव-देहात में आज मिट्टी की हांडी, भगोने में दाल पकाती थीं, उस टेक्नीक दला बनाएं. इसके लिए आप कुछ टिप्स ट्राई करें आपकी दाल जल्दी गल जाएगी और स्वादिष्ट भी बनेगी.

दाल पकाने का आसान तरीका

- कुकर खराब है, रबर ढीला हो गया है और मार्केट जाकर रबर खरीदने का मन नहीं तो आप जो भी दाल बनाना चाहते हैं उसे पानी में धोकर 1 घंटे के लिए भिगोकर रख दें. अरहर,चना दाल अधिक समय लेती है गलने में, इसलिए इसे 2-3 घंटे पानी में भिगोकर छोड़ दें.
- पहले के जमाने में मिट्टी की हांडी में दाल बनाई जाती थी. आप भी मिट्टी के बर्तन, किसी भगोने या बड़ी कड़ाही में दाल बनाएं. अंदाज से पानी और दाल डाल दें. पानी अधिक डालें, क्योंकि कुकर के मुकाबले खुले में दाल पकने में थोड़ा अधिक समय लगता है, लेकिन दाल का स्वाद कुकर से भी जबरदस्त लगेगा.

- अब आप इसमें हल्दी, नमक, आधा चम्मच सरसों तेल डालकर तेज आंच पर उबाल आने दें. उबलने लगे तो गैस को धीमी कर दें और दाल पर ढक्कन लगाकर पकने दें. इसमें कुछ ही देर में सफेद सी झाग निकलेगी. इसे आप ऊपर-ऊपर से निकाल कर फेंक दें.
- बीच-बीच में दाल को चम्मच या अपनी उंगलियों से दबाकर चेक करें कि ये पकी है या अभी भी हार्ड है. दाल के दाने थोड़े कच्चे लगें तो कम आंच पर ही और पकने दें.
- पक जाए तो गैस बंद कर दें. दो छोटे चम्मच घी या सरसों तेल पैन में डालें. इसमें जीरा, प्याज, लहसुन, हरी मिर्च कटी हुई डालकर भूनें. अब इसमें आप कटा हुआ टमाटर डाल दें. स्वाद देने के लिए आप बड़ी इलायची, तेजपत्ता, हींग से भी तड़का लगा सकते हैं. ताजी हरी धनिया पत्ती काटकर डाल दें और अच्छी तरह से मिक्स करें. दाल की हांडी में इस मिश्रण को डालकर अच्छी तरह से मिलाएं. तैयार है बिना प्रेशर कुकर के स्वादिष्ट दाल. इसे आप चावल या रोटी के साथ खाएं, सब्जी की भी जरूरत नहीं पड़ेगी.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बैंक कॉलोनी में रिटायर्ड रेलकर्मी और उनके बेटे का कमरे में मिला शव,

गोरखपुर. गोरखपुर के शाहपुर इलाके के बैंक कॉलोनी में रविवार की सुबह रिटायर्ड रेलकर्मी और उनके बेटे की कमरे में शव मिलने से सनसनी फैल गई। सुबह नौकरानी झाड़ू पोछा और खाना बनाने पहुंची तो उसकी चीख निकल गई। नौकरानी ने देखा कि पिता का शव सोफे पर और उनके बेटे का शव बेड पर पड़ा था। जिसके बाद मृतक के बड़े बेटे अरविंद को सूचना दी। सूचना पर पहुंची शाहपुर पुलिस और फोरेंसिक टीम जांच पड़ताल करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस उनके बड़े बेटे और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से जांच में जुटी हुई हैं। जानकारी के मुताबिक, शाहपुर इलाके के पादरी बाजार स्थित बैंक कॉलोनी निवासी अवधेश शर्मा 85 वर्ष गोरखपुर रेलवे पार्सल अधीक्षक पद से रिटायर्ड से थे। वह बैंक कॉलोनी में 17 साल पहले मकान बनवाकर परिवार के साथ रहते थे।

संभल हिंसा: SIT ने जामा मस्जिद के सदर को हिरासत में लिया, हो सकती है गिरफ्तारी

संभल. पिछले साल 24 नवंबर को संभल में मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में एसआईटी ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस द्वारा पहले नोटिस जारी किए जाने के बाद अब जामा मस्जिद के सदर एडवोकेट जफर अली को हिरासत में ले लिया गया है। जफर अली एडवोकेट से कोतवाली में पूछताछ जारी है। सुरक्षा के मद्देनजर कोतवाली में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। एसआईटी मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। एएसपी श्रीश्चन्द्र ने बताया कि एसआईटी ने हिरासत में लिया है, पूछताछ के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। माना जा रहा है कि पूछताछ के बाद जामा मस्जिद के सदर की गिरफ्तारी हो सकती है।

पेड़ से लटके मिले युवक-युवती के शव

यूपी के लखीमपुर में एक ही पेड़ पर युवक-युवती के शव लटकते हुए मिले हैं। घटना हैदराबाद थाना क्षेत्र के छत्तीपुर गांव की है। यहां एक बाग में एक ही पेड़ की डाल से युवक-युवती के शव लटक रहे थे। मृतकों की पहचान मैलानी थाना क्षेत्र के छत्तीपुर राजा गांव के रहने वाले कमलेश (22 वर्षीय) के रूप में हुई। युवती भी इसी गांव की रहने वाली थी। उसकी उम्र 20 वर्ष के आसपास बताई जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आकर 2 खिलाड़ियों की मौत

वहीं, चंदौली में रेलवे फाटक पार करते समय फुटबाल के दो युवा खिलाड़ियों की दर्दनाक मौत हो गई। दोनों खिलाड़ी बाइक पर सवार थे। यह हादसा अलीनगर थाना क्षेत्र के ताराजीवनपुर में बंद रेलवे फाटक पर हुआ। हादसे के शिकार युवकों की बाइक ट्रेन के इंजन में फंसकर करीब एक किलोमीटर दूर सहरोई गांव के पास तक चली गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

CBI की क्लोजर रिपोर्ट-सुशांत केस में हत्या के सबूत नहीं

- रिया के वकील बोले- झूठी कहानियां बनाई गईं
- परिवार चुप रहकर सब सहता रहा

नई दिल्ली. सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में CBI ने 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की है। जिसमें जांच एजेंसी ने कहा है कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है।

सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमय तरीके से मृत पाए गए थे। मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से इस मामले की जांच को CBI को सौंपा गया। अब CBI की आखिरी रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है।

इस मामले में रिया चक्रवर्ती को 27 दिन जेल में रहना पड़ा था। सीबीआई की तरफ से फाइनल रिपोर्ट सामने आने के बाद रिया के वकील सतीश मानेशिंदे ने बयान जारी कर कहा कि इस मामले में कई झूठी कहानियां बनाई गईं। इसके बावजूद रिया और उनका परिवार चुप रहकर सब सहता रहा।

CBI ने दो मामलों की जांच की थी...

- सुशांत के पिता केके सिंह की रिया चक्रवर्ती के खिलाफ शिकायत, जिसमें आत्महत्या के लिए उकसाने, धोखाधड़ी और पैसों के हेरफेर के आरोप लगाए गए थे।
- रिया चक्रवर्ती की शिकायत, जिसमें उन्होंने सुशांत के परिवार पर मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

मैनेजर दिशा सालियान की भी हुई थी मौत

सुशांत की मौत से कुछ दिन पहले ही 8 जून 2020 को उनकी मैनेजर दिशा सालियान की मौत मुंबई के मालाड स्थित बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से गिरने के कारण हुई थी। ये दोनों ही मौत संदिग्ध मानी गई थी। इसके बाद पिता सतीश सालियान ने आरोप लगाया कि दिशा की गैंगरेप के बाद हत्या की गई थी। लेकिन राजनीतिक दबाव में मामले को दबा दिया गया। शुरुआत में, दिशा के पिता को मुंबई पुलिस की जांच पर भरोसा था, लेकिन बाद में उन्हें लगा कि यह केवल एक 'कवर-अप' ऑपरेशन था। इसके बाद 20 मार्च 2025 को सतीश सालियान ने बेटी की मौत की नए सिरे से जांच को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने शिवसेना (UBT) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ FIR दर्ज करने और मामले की जांच CBI को सौंपने की मांग की है।

जयशंकर बोले- हमने हमेशा थरूर के विचारों का सम्मान किया

- कांग्रेस नेता सरकार की तारीफ कर चुके
- एक महीने पहले बोले थे-पार्टी इग्नोर करती है

नई दिल्ली. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने हमेशा कांग्रेस नेता शशि थरूर के विचारों का सम्मान किया है, खासकर सरकार से जुड़े मामलों पर। जयशंकर बिजनेस टुडे माइंडरश 2025 कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उनसे कांग्रेस सांसद शशि थरूर की ओर से की गई मोदी सरकार की तारीफ को लेकर सवाल किया गया।

जयशंकर ने कहा- हमने रूस-यूक्रेन संघर्ष, उसकी वजह और हालात को समझकर बहुत ही निष्पक्ष तरीके से देखा, जो हमारी सफलता रही। यही वजह है कि इस मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए कई पक्ष के लोग हमारे आकलन से प्रभावित हुए हैं।

दरअसल, 19 मार्च को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मोदी सरकार की तारीफ की थी। थरूर ने कहा- भारत आज ऐसी स्थिति में है, जो रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित कर सकता है।

जयशंकर बोले- भारत ने ईरान और इजराइल के साथ संतुलन बनाया

जयशंकर ने कहा, 'भारत ने न केवल रूस-यूक्रेन युद्ध में तटस्थ रुख अपनाया, बल्कि मध्य पूर्व में ईरान और इजराइल के साथ भी अपने रणनीतिक संबंधों को संतुलित रखा। 2023 में जब हमास ने इजराइल पर हमला किया, तब भारत ने कूटनीतिक संतुलन बनाए रखा।' इजराइल भारत का प्रमुख रक्षा आपूर्तिकर्ता है, जबकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के लिए ईरान पर निर्भर है।

जयशंकर ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक नेताओं के साथ मजबूत कूटनीतिक समझ ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती दी है। भारत 'इंडिया फर्स्ट' नीति के तहत 'विकसित भारत' की ओर बढ़ रहा है।

PM की तारीफ, भाजपा नेताओं के करीब थरूर

पिछले कुछ समय से कांग्रेस सांसद शशि थरूर कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कर चुके हैं। वह भाजपा सांसदों के साथ तस्वीरें भी खिंचा रहे हैं।

मां की बीमारी से तंग आकर गला घोंटकर मारने की कोशिश

बेटा भी फांसी पर झूल गया

कोल्लम. केरल के कोल्लम में 35 साल के एक युवक ने अपनी बीमार मां को मारने की कोशिश करने के बाद खुद आत्महत्या कर ली। एलामाडु निवासी रंजीत और उसकी 58 वर्षीय मां सुजाता ने कथित तौर पर वित्तीय संकट और बिगड़ती सेहत के कारण एक साथ मरने का फैसला किया। शुक्रवार को कथित तौर पर दोनों ने नशे की अत्यधिक गोलियां खा लीं, उसके बाद रंजीत ने अपनी मां का शॉल से गला घोंटने की कोशिश की। बाद में उसे लगा कि उसकी मां मर चुकी है, इसलिए उसने खुद को फांसी लगा ली।

होनी को कुछ और मंजूर था। वह खुद तो मर गया, लेकिन उसकी मां की जान बच गई। अगली सुबह जब केरल राज्य विद्युत बोर्ड (केएसईबी) के अधिकारी बकाया बिजली बिल की जांच करने पहुंचे तो उन्हें महिला की स्थिति दिखी। वह पानी मांग रही थी।

उन्होंने स्थानीय लोगों को बुलाया और इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां महिला का इलाज चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार उनका कोई अन्य रिश्तेदार नहीं था।

'बात धर्म की नहीं है, हमारा इतिहास...'

- औरंगजेब विवाद पर क्या बोले RSS महासचिव दत्तात्रेय होसबोले?

वक्फ बिल पर अब सही दिशा में काम हुआ: दत्तात्रेय होसबोले

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को लेकर RSS महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा, ₹सरकार ने वक्फ के लिए एक आयोग बनाया है। हम देखेंगे कि वे क्या लेकर आते हैं। अब तक जो भी हुआ है वह सही दिशा में हुआ है। हम देखेंगे कि आगे क्या होता है...'

बेंगलुरु, कर्नाटक: औरंगजेब मुद्दे को लेकर एक बार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रतिक्रिया दी है। बेंगलुरु में मीडिया से बातचीत करते हुए आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा₹,अतीत में बहुत सी घटनाएं घटी हैं। दिल्ली में एक 'औरंगजेब रोड' था, जिसका नाम बदलकर अब्दुल कलाम रोड कर दिया गया। इसके पीछे कुछ कारण थे। औरंगजेब के भाई दारा शिकोह को हीरो नहीं बनाया गया। गंगा-जमुनी तहजीब की वकालत करने वालों ने कभी दारा शिकोह को आगे लाने के बारे में नहीं सोचा।₹

उन्होंने कहा कि क्या हम किसी ऐसे व्यक्ति को आइकॉन बनाएंगे जो भारत की संस्कृति के खिलाफ था, या हम उन लोगों के साथ जाएंगे जिन्होंने इस भूमि की परंपराओं के अनुसार काम किया? अगर आजादी की लड़ाई अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी जाती है, तो यह आजादी की लड़ाई है। उनसे पहले जो लोग थे (अंग्रेज) उनके खिलाफ लड़ाई भी आजादी की लड़ाई थी।

'आक्रमणकारी मानसिकता वाले लोग देश के लिए खतरा'

दत्तात्रेय होसबोले ने आगे कहा कि महाराणा प्रताप ने जो किया वह आजादी की लड़ाई थी। अगर आक्रमणकारी मानसिकता वाले लोग हैं, तो वे देश के लिए खतरा हैं। हमें तय करना होगा कि हम अपने देश की संस्कृति के साथ किसे जोड़ने जा रहे हैं। यह धर्म की बात नहीं है। यह आरएसएस का दृढ़ विचार है।₹

वक्फ बिल के खिलाफ देश भर में प्रदर्शन करेंगे मुसलमान

नई दिल्ली. अखिल भारतीय मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। AIMPLB के कार्यालय सचिव मोहम्मद वकार उद्दीन लतीफी ने रविवार को बयान जारी किया। इसमें कहा गया, '17 मार्च को दिल्ली में बड़ा और सफल विरोध प्रदर्शन हुआ। इसके बाद, एआईएमपीएलबी ने वक्फ बिल के खिलाफ देश भर में आंदोलन की घोषणा की है।' साथ ही, बोर्ड की ओर से सभी मुस्लिम संगठनों, सिविल सोसाइटी समूहों और दलित, आदिवासी, ओबीसी व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को धन्यवाद दिया गया है।

हूती पर कहर बनकर टूटा अमेरिका, यमन के हवाई अड्डे पर की एयर स्ट्राइक

दोहा. हूती विद्रोहियों को मिटाने का ट्रंप ने संकल्प ले लिया है। कुछ दिनों पहले जब अमेरिका की सेना हूती विद्रोहियों पर ताबड़तोड़ हमला कर रही थी तो राष्ट्रपति ट्रंप मंजर को लाइव देख रहे थे।

हूती विद्रोहियों पर अमेरिका ने किए ताबड़तोड़ हमले

अमेरिका ने यमन के होदेइदाह शहर में हवाई अड्डे पर तीन हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने सादा के उत्तरी प्रांत के सहर और किताफ जिलों पर बमबारी की और मारिब के मध्य प्रांत पर पांच हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना ने मारिब के माज्जर जिले को निशाना बनाकर पांच हवाई हमले किए। इस हमले में हूती नौसेना बल के कमांडर मंसूर अल-सादी घायल हो गया है।

ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि जब तक हूती विद्रोही अहम समुद्री गलियारे पर आने-जाने वाले मालवाहक पोतों पर अपने हमले बंद नहीं कर देते, तब तक वह 'पूरी ताकत से' हमले जारी रखेंगे।

इजरायल के खिलाफ भी खोला मोर्चा

इससे पहले हूती विद्रोहियों ने इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल से अटैक किया था। इजरायली मीडिया ने आईडीएफ के हवाले से बताया कि रविवार को यमन से आने वाली एक बैलिस्टिक मिसाइल को इजरायली एयरफोर्स ने हवा में ही इंटरसेप्ट करके नष्ट कर दिया। इस हमले के बाद आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गए और देश भर में सायरन बजने लगे।

बेंगलुरू में उत्सव के दौरान बड़ा हादसा

- भीड़ के ऊपर गिरा 100 फीट ऊंचा रथ
- एक की मौत और कई घायल

बेंगलुरु. बेंगलुरु ग्रामीण के अनेकल में एक उत्सव के दौरान एक दुखद घटना घटी, जब 100 फीट का रथ गिर गया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। बेंगलुरु ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सीके बाबा ने बताया कि यह घटना शनिवार शाम करीब 6 बजे हुई। एसपी बेंगलुरु ग्रामीण ने कहा, बेंगलुरु ग्रामीण के अनेकल में एक उत्सव के दौरान 100 फीट का रथ गिर गया। एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरे का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कैश कांड में बुरे फंसे जज यशवंत वर्मा?

- दिल्ली HC ने दिए फोन रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा अपने सरकारी आवास में आग लगने के दौरान मिले कैश को लेकर घिरते दिख रहे हैं। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस (सीजेआई) के निर्देश पर जस्टिस वर्मा को अपने फोन के सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने को कहा है। इसमें बातचीत, मैसेज और डेटा शामिल हैं, क्योंकि उनके इर्द-गिर्द विवाद लगातार सामने आ रहा है।

जस्टिस वर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिए गए एक बयान में नकदी बरामदगी की घटना में उन पर लगे आरोपों का खंडन किया। जस्टिस वर्मा ने बताया, "उनके स्टाफ में से किसी को भी मौके पर मौजूद कैश या मुद्रा के कोई अवशेष नहीं दिखाए गए।

उन्होंने अपने बयान में कहा, मैंने पर्सनली अपने स्टाफ के साथ इस मामले की जांच की, जिन्होंने पुष्टि की कि घर में कथित रूप से पाए गए नोटों को हटाया नहीं गया था। केवल मलबा और बचाए जा सकने वाले सामान ही हटाए गए थे। ये घर में अलग से रखे हैं और निरीक्षण के

लिए उपलब्ध हैं। इस बीच, पुलिस कमिश्नर ने कथित तौर पर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को सूचित किया है कि जस्टिस वर्मा के आवास पर तैनात सुरक्षा गार्ड के अनुसार, 15 मार्च की सुबह कुछ मलबा और आंशिक रूप से जली हुई वस्तुएं हटा दी गई थीं।

जस्टिस वर्मा ने किसी भी तरह के गलत काम के आरोपों को खारिज करते हुए जवाब दिया। हालांकि, जब हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने उन्हें घटना का वीडियो दिखाया, तो जस्टिस वर्मा ने उनकी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाकर उन्हें बदनाम वाली संभावित गहरी साजिश की आशंका जताई। सुप्रीम कोर्ट ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है और दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने हाल की घटना की गहन जांच की मांग की है। अपने जवाब में जस्टिस यशवंत वर्मा ने कहा कि न तो उन्हें, न ही उनकी बेटी को और ना ही उनके घर के स्टाफ को कभी भी जली हुई नकदी की बोरियां दिखाई गईं, जो कथित तौर पर मौके पर पाई गई थीं।

पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल नहीं हुए भारतीय अधिकारी

नई दिल्ली. नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में अधिकारियों ने राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन किया। इस साल भी भारतीय अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत नहीं की। इतना ही नहीं भारत ने विवादास्पद इस्लामी उपदेशक जाकिर नाईक को सम्मानित करने के लिए भी पाकिस्तान की आलोचना की। भारत की तरफ से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाक उच्चायोग के प्रभारी साद अहमद वराइच ने कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि दोनों देशो के बीच में एक नया सवेरा आपसी समझ को बढ़ाकर, साझा चिंताओं को दूर करके और कश्मीर जैसे मुद्दों का दीर्घकालिक हल करके ही आ सकता है।

वराइच ने यह टिप्पणी राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के दौरान की। इस दौरान वहां पर कोई भी भारतीय मौजूद नहीं था। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि इस कार्यक्रम में भारतीय अधिकारियों को बुलाया गया था या नहीं.. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से जब इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा, ''जहां तक निमंत्रण का सवाल है, वे रिश्तों पर निर्भर करते हैं, है न? निमंत्रण की स्वीकृति रिश्तों की प्रकृति पर निर्भर करती है।''

कोहली की फिफ्टी से RCB की जीत

- फैन ने मैदान में घुसकर छुए विराट के पैर
- BCCI ने दिया मोमेंटो; मोमेंट्स-रिकॉर्ड्

IPL के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को 7 विकेट से हरा दिया। शनिवार को कप्तान अजिंक्य रहाणे की फिफ्टी की बदौलत KKR ने RCB को 175 रन का टारगेट दिया। जवाब में विराट कोहली ने नाबाद 59 रन बनाए और 22 बॉल रहते अपनी टीम को जीत दिला दी।

ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कई मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। कोहली ने इस मुकाबले के साथ अपने टी-20 करियर में 400 मैच पूरे कर लिए। इसके लिए BCCI ने कोहली को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

मैच के पहले ओवर में सुयश ने डी कॉक का कैच ड्रॉप किया। बाद में मैदान में दर्शक घुसा और कोहली के पैर छुए।

ओपनिंग सेरेमनी में शाहरुख, कोहली और रिंकू का डांस

ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, विराट कोहली और रिंकू सिंह ने एक साथ डांस किया। कोहली ने झूमे जो पठान और रिंकू सिंह ने मैं लुट गया...गाने पर शाहरुख के साथ स्टेप्स किए।

सेरेमनी की पहली परफॉरमेंस श्रेया घोषाल ने दी। बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने मलंग-मलंग गाने पर डांस किया। पंजाबी सिंगर करण औजला ने माहौल पूरा वेवी गाना गाया। औजला की प्रस्तुति पर दिशा पाटनी ने भी परफॉर्म किया।

BCCI अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने विराट कोहली को 'IPL 18' लिखा हुआ मोमेंटो देकर सम्मानित किया। विराट IPL ने 18 के 18 सीजन RCB के लिए खेला है। ICC चीफ जय शाह ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में मौजूद बेल बजाकर मैच की शुरुआत की। जोश हेजलवुड ने बेंगलुरु की तरफ से पहला ओवर फेंका।

बेल्जियम में इलाज करा रहा मेहुल चौकसी अब स्विटजरलैंड भागने की तैयारी में

- भारत ने भी कर ली प्लानिंग

नई दिल्ली. पंजाब नेशनल बैंक घोटाले का मुख्य आरोपी और भगोड़ा कारोबारी मेहुल चौकसी अब बेल्जियम में रह रहा है। चौकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम का एफ-रिसेडेंसी कार्ड हासिल किया, जिससे उसे वहां रहने और यूरोप में स्वतंत्र रूप से घूमने की छूट मिल गई। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी प्रीति चौकसी ने इस प्रक्रिया में उसकी मदद की है। प्रीकि चौकसी के पास बेल्जियम की नागरिकता है। भारतीय और एंटीगुआ सरकारों को चौकसी के नए ठिकाने का पता चलने के बाद अब भारत ने बेल्जियम से उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज कर दी है।

जालसाजी से हासिल किया बेल्जियम का वीजा

एसोसिएट टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मेहुल चौकसी ने

बेल्जियम में रेसिडेंसी पाने के लिए झूठे दस्तावेज और गलत जानकारी दी। उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता से जुड़े विवरण छुपाए और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वहां की सरकार को गुमराह किया। एंटीगुआ और बारबुडा के विदेश मंत्री ईपी चेथ ग्रीन ने हाल ही में पुष्टि की कि चौकसी अब एंटीगुआ में नहीं है और वह चिकित्सा कारणों का हवाला देकर देश छोड़ चुका है। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह कहां गया।

स्विट्जरलैंड भागने की फिराक में चौकसी?

खबर यह भी है कि चौकसी अब स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहा है, जहां वह हिरसलैंडन क्लिनिक आराऊ नामक कैंसर अस्पताल में इलाज कराने की बात कहकर मानवीय आधार पर राहत लेने की कोशिश कर सकता है। इससे पहले भी वह अपहरण और प्रताड़ना की फर्जी कहानियां गढ़कर भारत आने से बचता रहा है। चौकसी का यह नया पैंतरा बेल्जियम में स्थायी निवास (एफ+ कार्ड) लेने और वहां कानूनी सुरक्षा पाने के लिए हो सकता है।

उत्तराखंड चारधाम यात्रा: 3 दिन में 5 लाख से ज्यादा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

देहरादून. उत्तराखंड चारधाम यात्रा के कपाटों के खुलने की तारीखों का ऐलान हो चुका है। चारों धामों के कपाटों की तारीखों के खुलने के ऐलान के साथ ही उत्तराखंड सरकार की तैयारियां भी पूरी जोरों पर चल रहीं हैं। चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा 5 लाख के पार पहुंच गया है।

पर्यटन विकास परिषद की ओर से जारी डेटा के अनुसार, यमुनोत्री के लिए 93,803, गंगोत्री के लिए 96,445, केदारनाथ के लिए 1 लाख 66 हजार 576 और बदरीनाथ धाम के लिए 1.55 लाख 46 के रजिस्ट्रेशन हुए है। हेमकुंड साहिब के लिए 5151 यात्रियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। शुरुआती तीन दिनों में चार धाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की संख्या 5.17 लाख पहुंच गई है।

बांग्लादेश से रची गई थी नागपुर हिंसा की साजिश

- शिवसेना नेता संजय निरुपम का दावा

मुंबई. नागपुर में आयत लिखी चादर जलाने की अफवाह और दक्षिणपंथी संगठनों के प्रदर्शन के बाद भड़की हिंसा को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है।

इस मामले में दर्जनों लोगों को हिरासत में लिया गया है।

रविवार को शिवसेना नेता संजय निरुपम ने दावा किया कि नागपुर में हाल में हुई हिंसा में बांग्लादेश से जुड़े लोगों का हाथ है। निरुपम ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह भी दावा किया कि हिंसा पूर्व नियोजित थी और यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी।

संक्षेप...

यौन उत्पीड़न के मामले में बुजुर्ग को तीन साल की सजा

ठाणे. जिले की एक अदालत ने पांच एवं सात साल की दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न के मामले में 61 वर्षीय व्यक्ति को तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ए. एस. भागवत की अदालत ने आरोपी इस्माइल कालू शेख को यौन शोषण से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दोषी ठहराया. अदालत ने दोषी पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है.

विशेष लोक अभियोजक विवेक कडू ने अदालत को बताया कि शेख 30 अक्टूबर 2023 को पांच और सात वर्षीय दो बच्चियों को ठाणे शहर के मानपाडा इलाके में अपने घर ले गया और उनका यौन उत्पीड़न किया. बाद में, एक बच्ची ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी.

शरद पवार और अजित पवार की मुलाकात से सियासी पारा हाई!

मुंबई. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार (22 मार्च) को अपने भतीजे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार से पुणे स्थित वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट में मुलाकात की. इस मुलाकात ने महाराष्ट्र की सियासी गलियों में हलचल पैदा कर दी है. वहीं इस मीटिंग पर एमवीए में शरद पवार के सहयोगी और शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने तीखी प्रतिक्रिया दी.

संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा, ₹उनके बीच सबकुछ ठीक चल रहा है. हम शिवसेना छोड़ने वालों से कोई संपर्क करने की कोशिश भी नहीं करते हैं. जिस तरह से उन्होंने महाराष्ट्र को धोखा दिया और पीठ में छुरा घोंपा. हम उनके नजदीक भी नहीं जाएंगे.₹

इससे पहले दिन में सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थान, वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट की शासकीय परिषद की बैठक में शरद पवार, उनकी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल और प्रतिद्वंद्वी एनसीपी नेता अजित पवार और दिलीप वाल्से पाटिल शामिल हुए.

जयंत पाटील के अजित गुट में शामिल होने की थी अटकलें

इस बीच, एनसीपी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने अपनी पार्टी के सहयोगी जयंत पाटिल और अपने चचेरे भाई अजित पवार के बीच हुई बैठक को तूल नहीं देती नजर आईं. बता दें कि जयंत पाटिल के अजित पवार गुट में शामिल होने की अटकलें लंबे समय से चल रही हैं. हालांकि, पाटिल ने इन अफवाहों का खंडन किया है.

'पार्टी को बांटने वालों को सबक सिखाएंगे'

बता दें कि संजय राउत ने पिछले महीने शरद पवार द्वारा 2022 में शिवसेना को विभाजित करने वाले शिंदे को सम्मानित करने और उनकी प्रशंसा करने पर नाराजगी व्यक्त की थी. राउत ने कहा, ₹उनके (एनसीपी गुटों के नेताओं के) पास वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट, विद्या प्रतिष्ठान, रयत शिक्षण संस्था जैसी संस्थाएं हैं. हमारे पास ऐसा कुछ नहीं है. हम (पूर्व पार्टी सहयोगियों के साथ) ऐसी बैठकें नहीं करते हैं और अगर ऐसी बैठक की संभावना होती है तो हम इससे बचते हैं. हम राजनीति में संवाद में विश्वास नहीं रखते हैं. हम उन लोगों से लड़ते रहेंगे जो हमारी पार्टी को बांटते हैं और उन्हें सबक सिखाएंगे.

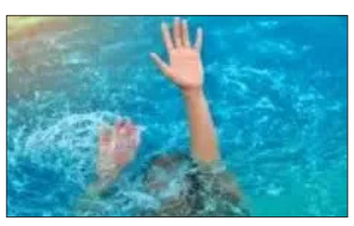

पानी की टंकी में गिरने से सफाई कर्मचारी की मौत

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे में एक दुखद घटना घटी। पानी की टंकी में गिरने से 22 वर्षीय सफाई कर्मचारी की जान चली गई। पूरी घटना घोड़बंदर रोड स्थित 10 मंजिला हाउसिंग सोसाइटी में हुई, जहां सफाई के दौरान पीड़ित अचानक बेहोश होकर टैंक में गिर गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान अनमोल भोये (22) के रूप में हुई है। वह सोसाइटी में पानी की टंकी की सफाई कर रहा था। बताया जा रहा है कि सफाई के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे पानी से भरे टैंक में जा गिरा।

इस दौरान उसका एक साथी भी मौके पर मौजूद था, जिसने तुरंत मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया। वहीं, सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। इसके बाद भोये को टैंक से निकालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हालांकि, पुलिस का कहना है कि इस मामले में अभी तक कोई केस दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन घटना की अभी जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में पता चला है कि सफाई के दौरान सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल नहीं किया गया था, जिसके चलते यह घटना हुई।

भिवंडी में डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा पर सेमिनार

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. वर्तमान युग कंप्यूटर प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है.आईटी के नवीनतम क्षेत्रों के विकास,करियर और उपयोगिता के बारे में छात्रों में जागरूकता पैदा करने के लिए, विभिन्न विषयों के तहत रईस हाईस्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी में छात्रों के लिए एक सेमिनार का आयोजन किया गया. इस अवसर पर रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के चेयरमैन यासर तातली,सुपरवाइजर सिब्तैन काशेलकर एवं अब्दुल अजीज अंसारी कार्यक्रम में उपस्थित थे.यासर तातली ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक में कौशल हासिल करना चाहिए.ऐसे कार्यक्रम समय की मांग हैं. छात्रों के

मार्गदर्शन के लिए उपस्थित राबिया अब्दुल लतीफ पंगारकर ने स्कूल के एवीआई रूम में विद्यार्थियों को एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता)विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन किया. ज़िकरा शेख ने डेटा विज्ञान पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से छात्रों को संबोधित करते हुए विस्तृत जानकारी दी. अकील मुश्ताक फकीह कंप्यूटर सेंटर की प्रभारी मुश्की खतीब ने छात्रों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स और साइबर सुरक्षा के बारे में बताया. छात्रों ने सेमीनार को अत्यंत उपयोगी बताया.इस अवसर पर छात्रों के अलावा शिक्षक भी उपस्थित थे.कार्यक्रम को सफल बनाने में कम्प्यूटर इनचार्ज हुदा मोमिन, समरीन मोमिन, आफरीन मोमिन, शिफा कुरैशी, वजाहत अली मोमिन, अब्दुल रहमान बहाउद्दीन सहित कम्प्यूटर स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा.अब्दुल लतीफ पंगारकर ने कार्यक्रम का सूत्र संचालन किया.

महावितरण टीम पर हमला करने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

बदलापुर. मुरबाड पुलिस स्टेशन में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. इस मामले में पंजीकृत आरोपी का नाम प्रफुल्ल दशरथ गोडांबे है. जो कलंभे, मुरबाड तालुका का निवासी है. मुरबाड उपखंड में कार्यरत वरिष्ठ क्लर्क मंगेश केवाड़ी और जनमित्र नरेश इसामे शुक्रवार दोपहर सरलगांव में बिजली बिल वसूलने का काम कर रहे थे. आरोपी गोडांबे की कटलरी की दुकान पर छह महीने का 10,000 रुपए का बिजली बिल बकाया है, जब महकमे के उक्त स्टॉफ ने बिजली बिल का भुगतान करने का अनुरोध किया तो आरोपी ने जनमित्र इसामे के साथ गाली-गलौज और मारपीट की. क्लर्क केवारी की शिकायत के आधार पर मुरबाड पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

पुराने वाहनों में HSRP लगवाने का समय सीमा बढ़ी

ठाणे RTO कार्यालय में 52 हजार आवेदन 30 जून तक विस्तार

ठाणे. राज्य सरकार ने 1अप्रैल 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों के लिए हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगाना अनिवार्य कर दिया है।इस संबंध में 52,000 वाहन मालिकों ने ठाणे आरटीओ कार्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन जमा किए हैं। बढ़ती मांग के कारण आरटीओ विभाग ने समय सीमा 30 जून 2025 तक बढ़ा दी है।वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नई नंबर प्लेट लगाने की समय सीमा 30 जून 2025 तक बढ़ा दी गई है।जिसके लिए आरटीओ कार्यालय में ₹हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट₹ निर्माताओं और वाहन वितरकों की एक बैठक भी

आयोजित की गई।महाराष्ट्र सरकार के परिवहन विभाग ने 4 दिसंबर 2024 को एक मॉडल ऑपरेटिंग सिस्टम जारी किया हैजिसके तहत अब सभी वाहनों पर ₹हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट₹ लगाना अनिवार्य कर दिया गया है।1अप्रैल 2019 के बाद वाहनों पर ₹हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट₹ लगाई जाएगी। लेकिन पहले वाली गाड़ियों पर नई नंबर प्लेट लगानी होगी।इसके मुताबिक 30 मार्च 2025 तक नई नंबर प्लेट लगाई जानी थीं।हालांकि वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए नंबर प्लेट लगाने की समय सीमा 30 जून तक बढ़ा दी गई है।हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बारे में सारी जानकारी ठाणे ठाणे आरटीओ विभाग द्वारा दी गई वेबसाइट www.transport.maharashtra.gov.in पर जाकर मिल जाएगी। मुख्य आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल के मार्गदर्शन में, ठाणे आरटीओ कार्यालय की वेबसाइट पर 20 मार्च 2025 तक लगभग 52 हजार पुराने वाहनों ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है। इनमें से 8500 नंबर प्लेटें लगाई जा चुकी हैं। उप आरटीओ अधिकारी रोहित काटकर ने बताया कि 19500 वाहनों को नियुक्तियां दी गई हैं। नंबर प्लेट लगाने में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए 'हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट' निर्माता कंपनी (रोज़मार्टा कंपनी) और वाहन वितरक ने एक बैठक की।

> अगर किसी अनाधिकृत विक्रेता से ऐसी नंबर प्लेट लगाई जाती है, तो वाहन केंद्र सरकार के डेटाबेस में पंजीकृत नहीं होगा। 30 जून 2025 के बाद बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।
>
> –हेमांगिनी पाटिल
> (क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ठाणे)

तेज धूप से राहत दिलाने के लिए जालीदार पर्दे के उपयोग

मनपा की एक अनोखी पहल

ठाणे. शहर में लगातार गर्मी बढ़ने के कारण शहर वाशी परेशान।तेज धूप में वाहन चालकों को सिंग्गल की प्रतीक्षा में रुकना पड़ता है इससे वाहन में सवार और चालक को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है।इसको देखते हुए मनपा ने प्रायोगिक तौर पर गोखले रोड से तीनहात नाका सड़क पर जालीदार शेड लगाया है।मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार यह किया गया।गोखले रोड पर जाली 100 फुट लंबा 25 फुट चौड़ा और इसकी उचाई 20 फुट है।इससे वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी।

छावा मूवी का क्षत्रिय समाज ने किया सामूहिक प्रदर्शन

ठाणे. क्षत्रिय समाज चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता और बलिदान पर आधारित फिल्म 'छावा' का सामूहिक प्रदर्शन विविआना मॉल में आयोजित किया।इस मूवी को विशेष रूप से समाज को प्रेरित करने और उनके गौरवशाली इतिहास को उजागर करने के उद्देश्य से किया गया।सभी लोगों ने बड़े उत्साह के साथ फिल्म का आनंद लिया।

संस्थापक एड. विनय कुमार सिंह ने कहा मुगलों, औरंगजेब तथा अंग्रेजों का महिमामंडन करना इतिहास की विकृति है। हमें अपने गौरवशाली अतीत की सच्ची कहानियाँ उजागर करनी चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि भविष्य में संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित सेमिनार, पुस्तक विमोचन और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाएगा। पूर्व महासचिव श्रवण कुमार सिंह ने इस आयोजन के लिए महत्वपूर्ण सुझाव और प्रस्ताव रखे, जिससे कार्यक्रम और भी प्रभावशाली बन सका। संस्था के महासचिव सुनील सिंह के सौजन्य से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस आयोजन में संस्था के मार्गदर्शक प्रभाकर सिंह, अभिराम सिंह, उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, संजय सिंह,अरविंद सिंह, प्रदीप सिंह, ठाणे प्रभारी भगवंत सिंह, जिला अध्यक्ष प्रमोद शाही, युवा अध्यक्ष रणजीत सिंह, सूरज सिंह, दीपक सिंह समेत अन्य पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।छत्रपति की जीवनी सभी देश वासियों में देशभक्ति एवं साहस की भावना को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे आने वाली पीढ़ी अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा ले सके।

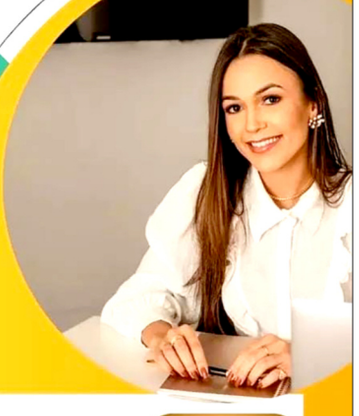

रवींद्र धांडे विशेष कार्यकारी अधिकारी नियुक्त

उल्हासनगर. उल्हासनगर में रहने वाले दैनिक सम्राट के उपसंपादक रविंद्र धांडे को महाराष्ट्र सरकार द्वारा विशेष कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है.

रविन्द्र धांडे पिछले 25 वर्षों से पत्रकारिता के माध्यम से लोगों को न्याय दिलाने का काम कर रहे हैं। वे पिछले 22 वर्षों से लोकप्रिय दैनिक सम्राट में लिख रहे हैं। वे उल्हासनगर मराठी पत्रकार संघ के संस्थापक/अध्यक्ष हैं। महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें विशेष कार्यकारी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। दैनिक सम्राट के उप संपादक रविन्द्र धांडे को विशेष कार्यकारी अधिकारी के पद पर नियुक्त किए जाने पर लोगों ने बधाई दी है। हाल ही में उन्हें ठाणे के जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा प्रमाण पत्र और पहचान पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार का विशेष आभार व्यक्त किया है।

सानपाड़ा में खेली गई फूलों की होली

नवी मुंबई. नवी मुंबई एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सानपाड़ा के पामबीच स्थित कार्तिकेय मंदिर में होली मिलन सम्मेलन का आयोजन किया गया. ट्रस्ट के अध्यक्ष एड. रमेश त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित होली मिलन सम्मेलन की शुरुआत सुंदर कांड पाठ से हुई. संगीतमय सुंदर काठ के बाद मजे हुए फाग गायकों ने एक से एक बढ़क कर मनमोहक फगुआ पेश कर उपस्थितों को झूमने पर मजबूर कर दिया. इसके बाद लोगों ने फूलों की होली खेल कर खूब आनंद लिया. इस सम्मेलन में मुंबई एवं उपनगरों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे. इस समय वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार राकेश पांडेय, उत्तर भारतीय नवी मुंबई भाजपा अध्यक्ष राजेश राय, पूर्व नगरसेवक राजू शिंदे, संदीप शुक्ला. एड. रमेश शर्मा, लक्ष्मण द्विवेदी, हरिओम शर्मा, एड अंकित त्रिपाठी, अनिल बारी, दुर्गेश पांडे, संतोष पांडे, विनोद उपाध्याय, जटाशंकर पांडे, अरुण मिश्रा, रमेश दुबे, संजय झा, अतुल तिवारी, एड विनय दुबे, एड ब्रह्मानंद दुबे, अरुण रमाकांत पांडे, आदि उपस्थित थे.

बिना गॉडफादर इंडस्ट्री में टिकी हूं -पूजा चोपड़ा

र्व मिस इंडिया वर्ल्ड पूजा चोपड़ा की वेब सीरीज 'खाकी द बंगाल चैप्टर' पिछले दिनों ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई है। हाल ही में पूजा चोपड़ा ने इस सीरीज और करियर समेत पर्सनल लाइफ को लेकर चौकाने वाला खुलासा किया। पूजा ने बताया कि पैदा होते ही पिता ने मां से उन्हें मारने के लिए कह दिया था, लेकिन उनकी मां नहीं मानी और आज वह अपनी मां का नाम रोशन कर रही हैं।

मेरा किरदार बहुत ही मॉडर्न इंडिपेंडेन्ट और इंटेलिजेंट घरेलू लड़की का है। बाकी में इस शो से कैसे जुड़ी इस पर यही कहूंगी कि नीरज पांडेय जी के साथ पहले भी मैंने दो प्रोजेक्ट्स किए हुए हैं। मेरा पहला था 'आउस' जो एक शार्ट फ़िल्म थी, उसे नीरज सर ने डायरेक्ट किया था। फिर मनोज वाजपेयी के साथ 'अय्यारी' आई। तीसरा ये प्रोजेक्ट है। इसके लिए जब मुझे कॉल आई तो मैं थाईलैंड में थी और अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही थी।

कास्टिंग डायरेक्टर ने कहा कि ये नीरज सर का प्रोजेक्ट है। 'खाकी 2' है। तो मैं बहुत ही ज्यादा एक्साइटेड हो गई क्योंकि मैंने इसका पहला पार्ट देखा हुआ था। फिर मैंने पूछा कि ऑडिशन कैसे भेजूं तो उन्होंने कहा कि नहीं इसकी कोई जरूरत नहीं क्योंकि आपने पहले भी उनके साथ काम किया हुआ है। आप हमारे लिए परफेक्ट कास्ट हैं। फिर तो यह मेरे लिए सेकेंड बेस्ट बर्थडे जैसा हो गया, क्योंकि पहला बेस्ट बर्थडे था जब मैं मिस इंडिया अप्रैल में और मई में मेरा बर्थडे आता है।

रोगी महिलाओं के स्वालंबन हेतु ब्यूटी पार्लर कोर्स

ठाणे. किसी भी प्रतिकूल परस्थिति परस्थिति में हमेशा हमें स्वालंबी होना चाहिए इसलिए ₹अपने पैरों पर खड़े हुए बिना इस दुनिया में सरलता से रहना कठिन है। हालाँकि, बड़ा सवाल यह है कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोग खुद को सशक्त बनाने के लिए क्या कर सकते हैं। उपयुक्त उत्तर की तलाश में, ठाणे क्षेत्रीय मनोरोग अस्पताल ने मानसिक रूप से बीमार महिलाओं के लिए ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण पहल शुरू की है। रोटरी क्लब ऑफ मुंबई आर्टसट्रिस और एनएएसी फाउंडेशन के सहयोग से शुरू की गई इस पहल के माध्यम से अब तक 30 महिला मरीज प्रशिक्षण के तीसरे चरण तक पहुंच चुकी हैं।ठाणे मनोरोग अस्पताल का लक्ष्य मानसिक रूप से बीमार रोगियों की पहचान करना और उनका इलाज करने के साथ-साथ उनके कौशल का विकास करना है।सुपरिटेंडेंट डॉ. नेताजी मुलिक के मार्गदर्शन में व्यावसायिक चिकित्सा विभाग इस पहल को क्रियान्वित कर रहा है। अगस्त 2024 से शुरू होने वाला चार-स्तरीय ब्यूटीशियन कोर्स दो-दो महीने की अवधि का है और प्रत्येक स्तर पर 10 महिला रोगियों को प्रशिक्षित किया जाता है। अब तक प्रशिक्षण का तीसरा चरण पूरा हो चुका है। इस प्रशिक्षण में बुनियादी सौंदर्य सेवाएं, फेशियल, मेकअप और हेयर स्टाइलिंग जैसे कौशल शामिल हैं।

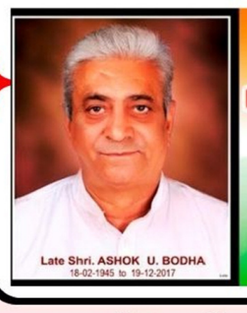

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099